RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

दैनिक

क्रांति समय

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 02 अंक: 132, शुक्रवार, 07 जून, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

रजीस्ट्ड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

बेरोजगारी और विकास के मोर्चे पर मोदी सरकार विफल : मायावती

लखनऊ। अर्थव्यवस्था में सुस्ती और बेरोजगारी के स्तर में बढोत्तरी को लेकर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने केन्द्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर तंज कसते हुए कहा है कि जनता के पास अब पछताने के सिवा और कुछ नहीं है। मायावती ने गुरूवार को कहा कि श्रम मंत्रालय ने लोकसभा चुनाव के बाद अब अपने डेटा से इस बुरी खबर को प्रमाणित कर दिया है कि देश में बेरोजगारी की दर पिछले 45 सालों में सबसे अधिक 6.1 प्रतिशत पर जा पहुंची है। परन्तु गरीबी और बेरोजगारी के शिकार करोड़ों लोगों द्वारा अब पछताने से क्या होगा जब चिड़िया चुग गई खेत। उन्होने कहा, देश के लिए यह भी अच्छी खबर नहीं है कि भारत के आर्थिक विकास की दर घट कर 5.8 पर होकर काफी नीचे चली गई है। जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) विकास की यह दर कृषि व फैक्ट्री उत्पाद में भारी गिरावट का परिणाम है। पहले से ही काफी त्रस्त देश की गरीब जनता के जीवन का सही कल्याण कैसे होगा। गौरतलब है कि पिछले वित्त वर्ष 2018-19 की चौथी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद की दर घटकर 5.8 प्रतिशत पर आ गई है। वित्त वर्ष 2018-19 के लिए 7.2 प्रतिशत के जीडीपी ग्रोथ रेट का लक्ष्य रखा गया था जो 0.04 फीसदी से पिछड़ गया। -एजेंसी

भारतीय वायुसेना इजराइल से खरीदेगी 100 स्पाइस बम

नई दिल्ली। भारत ने इजरायल के साथ एक बड़ा रक्षा सौदा किया है। भारतीय वायु सेना ने इजरायल से 300 करोड़ रुपए की 100 से ज्यादा स्पाइस बम खरीदने का सौदा है। ये बम अगले तीन महीनों में भारतीय सेना को मिल जाएंगे। बता दें कि स्पाइस बम वही बम हैं जिसका इस्तेमाल भारतीय वायु सेना ने 26 फरवरी को पाकिस्तान के बालाकोट में आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के ठिकानों को ध्वस्त करने के लिए किया था।

जयशंकर शुक्रवार को जाएंगे दो दिवसीय भूटान यात्रा पर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर शुक्रवार को दो दिवसीय यात्रा पर भूटान जाएंगे। विदेश मंत्री बनने के बाद उनकी यह पहली विदेश यात्रा होगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने बताया कि यात्रा के दौरान जयशंकर भूटान के प्रधानमंत्री लोटेय शेरिंग से मुलाकात करेंगे। भूटान के नरेश जिग्मे खेशर नामग्याल वांगचुक से भी उनकी बातचीत होगी। वह भूटान के अपने समकक्ष टांडी दोरजी से भी मिलेंगे। कुमार ने कहा, 'विदेश मंत्री के तौर पर जयशंकर का विदेश का यह पहला दौरा होगा। उनकी यात्रा इस परंपरा के अनुरूप है कि भारत अपने करीबी मित्र एवं पड़ोसी भूटान के साथ द्विपक्षीय संबंध को महत्व देता है। भूटान, भारत का करीबी सहयोगी है और पिछले कुछ वर्षों में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध नई ऊंचाइयों पर पहुंचा है। कुमार ने कहा, 'भारत और भूटान के अनूठे और सदाबहार संबंध हैं। यह आपसी भरोसे, सद्भावना और आपसी समझ पर आधारित है। उन्होंने कहा कि इस दौरान, दोनों देशों के बीच आगामी उच्च स्तरीय आदान-प्रदान, आर्थिक विकास और पनबिजली सहयोग सहित द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा होगी।

चीनी प्रतिनिधिमंडल ने सोनिया-राहुल गांधी से की मुलाकात

नेशनल डेस्क: चीन की कम्यनिस्ट पार्टी के पोलिट ब्यूरो के सदस्य ली शी के नेतृत्व में आठ सदस्यीय चीनी प्रतिनिधिमंडल ने आज दिल्ली में यूपीए चेयरपर्सन सोनिया गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने दोनों से मिलने से पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर से भी मुलाकात की। बता दें कि यह चीनी प्रतिनिधिमंडल एस जयशंकर के साथ द्विपक्षीय वार्ता के लिए भारत का दौरा किया। इस दौरान विदेश मंत्री ने कहा कि अमेरिका-चीन के बीच जारी ट्रेड वॉर पर भारत कोई पक्ष नहीं लेगा। भारत इस दौरान अपने हितों को ध्यान में रखकर कोई फैसला लेगा। इस दौरान उन्होंने कहा, ÷सच कहूं तो, हर संघर्ष में एक अवसर है और जोखिम भी हैं। मैं इससे मना नहीं करता और मेरा काम जोखिमों का सामना करना और अवसर बढ़ाना होगा। गौरतलब है कि कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने पिछले साल चीनी अधिकारियों से एक गुप्त बैठक की थी। राहुल ने कैलाश मानसरोवर यात्रा के दौरान चीनी मंत्रियों और अधिकारियों के साथ मुलाकात की थी। इस दौरान भाजपा ने उन पर 'चीनी प्रचारक' की तरह काम करने का आरोप लगाया था। डोकलाम विवाद के दौरान भी उन्होंने भारत में चीनी दूत से मुलाकात की थी।

शिखर सम्मेलन

भारत की दो टूक: SCO शिखर सम्मेलन में नहीं होगी पीएम मोदी और इमरान की बैठक

नई दिल्ली।

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के अगले सप्ताह होने वाले शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान के बीच द्विपक्षीय बैठक निर्धारित नहीं है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने गुरुवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, मेरी जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा पाकिस्तानी प्रधानमंत्री के बीच किसी द्विपक्षीय बैठक की योजना नहीं है। संगठन की बैठक किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में 13-14 जून को होनी है। संगठन के विदेश मंत्रियों की पिछले माह हुई बैठक के दौरान तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज तथा पाकिस्तानी विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी के बीच भी कोई बैठक नहीं हुई थी। दोनों नेताओं ने सिर्फ एक-दूसरे का अभिवादन किया था। भारत ने जनवरी 2016 में पठानकोट वायु सेना अड्डे पर हुए आतंकवादी हमले के बाद से पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय वार्ता नहीं की है। सरकार का कहना है कि आतंकवाद और बातचीत एक साथ नहीं चल सकते। बातचीत के लिए पाकिस्तान को अपने क्षेत्र से आतंकवादी गतिविधियों को रोक कर उचित माहौल बनाना होगा।

कश्मीर में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ जारी, तीन आतंकी घिरे

श्रीनगर । दक्षिण कश्मीर के पुलवामा और कुलगाम जिलों में गुरुवार की शाम आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गयी। इस बीच कुलगाम में भी आतंकवादियों के खिलाफ सुरक्षा बलों ने घेराबंदी एवं तलाश अभियान शुरू किया। दोनों ही इलाकों में अफवाहों को फैलने से रोकने के लिए एहतियात के तौर पर मोबाइल इंटरनेट सेवाओं पर रोक लगा दी गयी है। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक पुलवामा के लस्सीपोरा के पंजरान गांव में दो से तीन आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया सूचना मिलने के बाद राष्ट्रीय राइफल्स, राज्य पुलिस के विशेष अभियान समूह तथा केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों ने तलाश अभियान शुरू किया। जब सुरक्षा बल के जवान गांव के एक खास इलाके की ओर बढ़ रहे थे तो वहां छुपे आतंकवादियों ने स्वचालित हथियारों से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षा बलों की जवाबी कार्रवाई के बाद मुठभेड़ शुरू हो गयी। सूत्रों ने बताया कि बुलगाम के बाटपोरा में भी आतंकवादियों के छिपे होने की खुफिया सूचना मिलने के बाद खोजी अभियान शुरू किया गया है। पूरे इलाके को सील करने के बाद घर-घर की तलाशी ली जा रही है। इस बीच इलाके में किसी प्रकार के प्रदर्शन को रोकने के लिए दोनों ही इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है।

जगनमोहन रेड्डी ने पलटा चंद्रबाबू सरकार का फैसला, अब आंध्र प्रदेश में CBI कर सकेगी जांच

नई दिल्ली ।

आंध्र प्रदेश में वाई एस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्ववाली सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पूर्व की तेलुगू देशम पार्टी सरकार की ओर से केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) पर लगाये गए प्रतिबंध को गुरुवार को हटा लिया तथा अब सीबीआई को आंध्र प्रदेश में भ्रष्टाचार एवं अन्य मामलों की जांच का पूरा अधिकार होगा। दरअसल, आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम एन चंद्रबाबू नायडू की सरकार ने आठ नवंबर 2018 को सरकारी आदेश क्रमांक 176 जारी कर 'आम सहमति' को वापस ले लिया था जिसके तहत सीबीआई को राज्य में काम करने पर एक प्रकार से रोक लगी हुई थी। लेकिन बीते 30 मई को सत्ता पर काबिज हुई वाईएसआर कांग्रेस पार्टी ने गुरूवार को ताजा आदेश जारी कर आठ नवंबर को जारी किया गया जीओ 176 रद्द कर दिया है।

मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी के निर्देशों के आधार पर विशेष मुख्य सचिव मनमोहन सिंह ने इस बाबत जीओ 81 जारी किया। इस आदेश के मुताबिक, दिल्ली विशेष पुलिस प्रतिष्ठान कानून 1946 के तहत आठ नवंबर 2018 को जारी किया गया आदेश रद्द किया जाता है। आपको बता दें कि सीबीआई दिल्ली विशेष पुलिस प्रतिष्ठान कानून 1946 के तहत काम करती है। इस कानून की धारा छह के तहत कोई राज्य सरकार सीबीआई को नियमित तौर पर सामान्य सहमति देकर उसे राज्य में जांच का अधिकार देती है। आंध्र प्रदेश सरकार भी नियमित अंतराल पर ऐसे आदेश जारी करती रही है।

तेलंगाना में कांग्रेस को बड़ा झटका, पार्टी छोड़ टीआरएस में शामिल होने को तैयार 12 MLA

हैदराबाद ।

लोकसभा चुनाव में हार के बाद से कांग्रेस गंभीर संकट से जूझ रही है। इसी बीच उसे एक और झटका लगा है। तेलंगाना में 18 में से 12 कांग्रेस विधायक सत्तारूढ़ पार्टी तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) में शामिल होने जा रहे हैं। इन 12 विधायकों ने विधानसभा के स्पीकर पोचराम श्रीनिवास रेड्डी से मिलकर इसकी अर्जी दी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, विधायकों का कहना है कि वह राज्य के हित के लिए मुख्यमंत्री राव की पार्टी में शामिल होना चाहते हैं। अगर ये विधायक भी पार्टी का दामन छोड़ देते हैं तो विधानसभा में कांग्रेस के सिर्फ 6 विधायक ही रह जाएंगे। ऐसे में पार्टी की राज्य में स्थिति कमजोर होगी बल्कि उससे मुख्य विपक्षी दल होने का तमगा भी छूट जाएगा। हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों में भी कांग्रेस पार्टी का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा। पार्टी ने 17 में से सिर्फ एक सीट पर ही जीत हासिल की। जबकि टीआरएस के हिस्से में 9 सीटें आई। लोकसभा चुनाव में बीजेपी को चार सीटें तो असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम को भी एक सीट पर जीत मिली। चुनाव के बाद से ही सूबे में कांग्रेस की स्थिति खराब दिख रही है। कांग्रेस के कई विधायक अब भी राज्य में पार्टी नेतृत्व से नाराज हैं और जल्द ही कई विधायकों के टीआरएस में शामिल होने की संभावना है।

राहुल ने पर्यावरण के गिरते स्तर को राजनीतिक मुद्दा बनाने का आह्वान किया

नई दिल्ली। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने पर्यावरण के गिरते स्तर पर भचता जाहिर की और इसे राजनीतिक मुद्दा बनाने का आह्वान किया जिससे इसे वह महत्व मिले जिसका वह हकदार है। उन्होंने फेसबुक पर कहा कि पर्यावरण के गिरते स्तर और सरकार के युद्धस्तर पर इसका समाधान तलाशने की ल्लअनिच्छा- के सीधे परिणाम की वजह से लाखों भारतीय परेशान हो रहे हैं यहाँ तक की जान भी गंवा रहे हैं। गांधी ने कहा, ल्लजब तक हम पर्यावरण के मुद्दे को राजनीतिक मुद्दा नहीं बनाएंगे, उन्हें वो महत्व नहीं मिलेगा जिसके वे हकदार हैं। इस विश्व पर्यावरण दिवस पर, आइए साथ मिलकर ऐसा करने के लिये प्रतिबद्धता व्यक्त करें। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि मानव जाति के लिए खतरे की घंटी बज रही है और अगर पर्यावरण के गिरते स्तर में अब सुधार नहीं किया गया तो फिर इसके दुष्परिणामों को टाला नहीं जा सकता। गांधी ने कहा कि अब इस बात के पर्याप्त वैज्ञानिक साक्ष्य हैं कि खास तौर पर बीते 100 सालों में पर्यावरण के स्तर पर बेहद नुकसान हुआ है जिसे अब पलटा नहीं जा सकता। उन्होंने कहा, ल्लग्लोबल वार्मिंग मिथक नहीं है। यह एक हकीकत है। भारत के प्रदूषित शहर जहाँ नागरिक सांस लेने के लिये संघर्ष करते हैं, मिथक नहीं हैं, वे भी हकीकत हैं। जैसे कि हमारी नदियां और जल निकाय प्रदूषित हैं और भू-जल का गिरता स्तर व कम होता वन क्षेत्र भी हकीकत है। उन्होंने ट्विटर पर भी ऐसा ही संदेश पोस्ट किया।

संसद सत्र से पहले शिवसेना प्रमुख अपने सांसदों के साथ अयोध्या की यात्रा करेंगे

मुंबई। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे पार्टी के सभी 18 लोकसभा सदस्यों के साथ संसद का आगामी सत्र शुरू होने से पहले अयोध्या की यात्रा करेंगे। पार्टी सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। ठाकरे ने पिछले साल नवंबर में अयोध्या की यात्रा की थी और 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले विवादित स्थल पर राम मंदिर बनाने की मांग की थी। उस वक्त शिवसेना का अपने सहयोगी दल भाजपा के साथ तनावपूर्ण संबंध था। बाद में, शिवसेना ने लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा के साथ गठबंधन कर लिया लेकिन कहा कि उसके लिए राम मंदिर एक अहम मुद्दा है। संपर्क किए जाने पर ठाकरे के करीबी सहयोगी एवं शिवसेना के मीडिया प्रभारी हर्षल प्रधान ने कहा, ''यह सच है कि ठाकरे ने अयोध्या की यात्रा करने का फैसला किया है। 17 जून से शुरू हो रहे संसद के सत्र से पहले यात्रा की योजना है।''

तीन दिनों के बाद भी नहीं मिला लापता विमान का सुराग, अब तलाश में जुटा मानव रहित यान

नई दिल्ली ।

अरूणाचल प्रदेश में लापता वायु सेना के ए एन-32 परिवहन विमान का अभी तक पता नहीं चला है और सेना,नौसेना, इसरो तथा अन्य एजेन्सियों के बाद अब दिन-रात चलाये जा रहे तलाशी अभियान में सेना के मानव रहित यानों की भी मदद ली जा रही है।

वायु सेना ने कहा है कि विमान का पता लगाने के अभियान में तेजी लाई गई है और अब सेना के मानव रहित यानों की भी मदद ली जा रही है। खराब मौसम के कारण हेलिकॉप्टरों से तलाशी अभियान को रात में रोक दिया गया था लेकिन अन्य विमानों के साथ-साथ सेना तथा स्थानीय पुलिस की जमीनी टीम निरंतर खोज अभियान में जुटी हुई हैं और लापता विमान का पता लगाने के हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं। लापता विमान में सवार सभी वायु सैनिकों के परिजनों को तलाशी अभियान की ताजा जानकारी से अवगत कराया जा रहा है। विमान में चालक दल सहित 13 वायु सैनिक सवार हैं।

तलाशी अभियान में परिवहन विमान सी-130 , ए एन-32 , एम आई -17 हेलिकॉप्टरों और सेना के हेलिकॉप्टरों के साथ-साथ नौसेना के टोही विमान को भी लगाया गया है। पी-8आई विमान विशेष रडार और इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल तथा इन्फ्रा रेड सेंसर से लैस है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के उपग्रह कार्टोसेट तथा रिसेट भी दुर्घटना के संभावित क्षेत्र की लगातार तस्वीरें ले रहे हैं।

ए एन-32 विमान ने सोमवार को दिन में 12 बजकर 25 मिनट पर असम के जोरहाट से अरुणाचल प्रदेश के पश्चिमी सियांग जिले स्थित मेचुका एडवांस लैंडिंग ग्राउंड के लिए उडान भरी थी। एक बजे के करीब इस विमान का नियंत्रण कक्ष और अन्य एजेन्सियों से संपर्क टूट गया। वायु सेना ने विमान से संपर्क टूटने और इसके गंतव्य तक नहीं पहुँचने पर उसकी तलाश के लिए जरूरी कार्रवाई शुरू कर दी थी। ए एन-32 विमान का सबसे भयानक हादसा 22 जुलाई 2016 में हुआ था। चेन्नई के ताम्बरम हवाई अड्डे से उडान भरने वाला वह विमान पश्चिम बंगाल की खाड़ी के उपर उडान के दौरान लापता हो गया था। उस विमान में 29 लोग सवार थे और इसके बारे में बाद में कोई सुराग नहीं मिला। दस वर्ष पहले 2009 में भी अरूणाचल प्रदेश में भी एक ए एन-32 विमान लापता हो गया था। उस विमान में भी 13 लोग सवार थे। वर्ष 1999 में दिल्ली में ए एन-32 विमान दुर्घटना में 21 लोगों की मौत हो गयी थी।

संपादकीय

हार के बाद

गठबंधन आखिर टूट गया। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी ने लोकसभा चुनाव की हार के दस दिन बीतने के साथ ही अपने रास्ते अलग कर लिए। सोमवार को बसपा सुप्रीमो मायावती ने इसके संकेत दिए थे और मंगलवार को इसकी विधिवत घोषणा भी कर दी। हार का कसैलापन दोनों ही दल महसूस कर रहे हैं, यह मायावती की प्रेस कांफ्रेन्स से भी जाहिर हो गया और सपा प्रमुख अखिलेश यादव की उस पर प्रतिक्रिया से भी। मायावती जब प्रेस कांफ्रेन्स के लिए आईं, तो उनके पास कहने को बहुत कुछ था। उन्होंने कहा कि हाथी और साइकिल का एक साथ आगे बढ़ना अब मुश्किल होता जा रहा है। उनका आरोप था कि अखिलेश अपने यादव वोटरों को यह समझा पाने में विफल रहे कि उन्हें बसपा उम्मीदवारों को वोट देने चाहिए। वैसे उत्तर प्रदेश में पूरे चुनाव के दौरान सबसे गरम मुद्दा यही था कि क्या सपा और बसपा अपने वोट एक–दूसरे को ट्रांसफर करा पाएंगी? हालांकि नतीजों के विश्लेषण में यही कहा गया कि वोट ट्रांसफर हुए हैं, इसीलिए बसपा कुछ सीटें जीत पाईं। वरना पिछले आम चुनाव में तो उत्तर प्रदेश से उसका सफाया ही हो गया था। भले ही उसके मत प्रतिशत पर कोई असर न पड़ा हो, लेकिन उसे एक भी सीट नहीं मिल पाई थी। वैसे मायावती के इस रुख को हमें उनकी पिछले एक–दो दिन की उस सक्रियता से भी जोड़कर देखना चाहिए, जिसमें उन्होंने अपने दल की अन्य राज्यों की इकाइयों में भी फेरबदल किए हैं। कुछ गठबंधन भले ही लंबे चल जाते हों, लेकिन राजनीति में यही माना जाता है कि एक चुनाव सीजन भर का रिश्ता होते हैं। पिछले आम चुनाव से पहले जब सपा और बसपा आपस में मिली थीं, तो यह तभी साफ था कि रिश्ता लंबा चलने वाला नहीं है। यह माना गया था कि हार या जीत, दोनों ही स्थितियों में यह गठजोड़ टूटेगा ही। जीतते तो शायद कुछ दिन और चल जाते, लेकिन हार के बाद इसे टूटना ही था। यह भी माना जाता है कि दोनों दलों के अपने–अपने जनाधार उन्हें ऐसे विपरीत ध्रुव बनाते हैं, जिनका लंबे समय तक साथ रहना शायद संभव नहीं। पर पूरे चुनाव के दौरान कई कारणों से यह गठजोड़ चर्चा में बना रहा। एक तो इसलिए कि पिछले सारे गणित यह बता रहे थे कि दोनों दलों का साथ आना उत्तर प्रदेश में समीकरण बदल सकता है। यह बात अलग है कि इस बार जो हिसाब–किताब हुआ, उसमें पुराने पहाड़े बहुत काम नहीं आए। दूसरा इसलिए भी कि कई ऐतिहासिक कारणों से यह माना जाने लगा था कि उत्तर प्रदेश में सपा और बसपा एक साथ नहीं आ सकतीं। वैसे मायावती ने मंगलवार को लगे हाथ यह भी बता दिया कि रास्ते अलग करने का अर्थ यह नहीं है कि जरूरत पड़ने पर दोनों फिर साथ नहीं आ सकते। कुछ उप–चुनावों को छोड़ दें, तो अभी उत्तर प्रदेश में ऐसा कुछ होने नहीं जा रहा कि दोनों के साथ–साथ या अलग–अलग रहने का कोई खास अर्थ हो। दोनों दलों के लिए अभी सबसे जरूरी अपने आधार को मजबूत करना है और उसके लिए साथ रहना कोई जरूरी नहीं है। जहां तक आधार की बात है, तो दोनों दलों को इस बार लगा झटका काफी बड़ा है। उत्तर प्रदेश में दोनों दलों की नींव को सबसे मजबूत माना जाता था, लेकिन इस बार दोनों की ही नींव बुरी तरह हिल गई है। इसलिए अब जो प्रतिक्रियाएं आ रही हैं, उसमें कुछ भी अस्वाभाविक नहीं।

ट्वीट

सामान्य

बीते पचास वर्षो में मंत्रियों का व्यवहार सांसद और सहयोगी के रूप में देख चुका हूं। मेरा अध्ययन बताता है कि मीडिया में मंत्रियों के घोर पक्षपाती उन्हें सामान्य नहीं रहने देते।

सुब्रह्मणयम स्वामी, राजनीतिक

जीत-हार से बदलते राजनीतिक रिश्ते

राजकुमार सिंह

राजनीति के लिए दुनिया भर के बदनाम विशेषणों का इस्तेमाल यूं ही नहीं किया जाता। राजनेता अक्सर पॉवर, पैसा और परिवार के ही सगे माने जाते हैं क्योंकि पॉवर और पैसा बदलते दौर में ज्यादा अहम हो गये हैं, इसलिए परिवार की परिभाषा भी सिकुड़ती जा रही है। जिस चुनाव प्रक्रिया को हम लोकतंत्र की प्राण वायु कहते हैं, वह दरअसल है तो पॉवर गेम यानी कि सत्ता का खेल ही। अब जबकि चुनाव प्रक्रिया संपन्न हो चुकी है और केंद्र में नरेंद्र मोदी की अगुवाई में भाजपानीत राजग सरकार पहले से भी अधिक बहुमत से लगातार दूसरी बार पदारूढ़ हो चुकी है, इस खेल के खिलाड़ी और उनके असली खेल भी खुलकर सामने आने लगे हैं। सत्ता की खातिर बने गठबंधनों की गांठें अब खुलने नहीं तो ढीली अवश्य पड़ने लगी हैं। 44 लोकसभा सीटों से 52 तक ही पहुंच पायी कांग्रेस के अध्यक्ष राहुल गांधी तो चुनाव परिणाम आते ही कोपभवन में चले गये। हाथ को गिला है कि कुछ अपनों ने ही पार्टी के बजाय सिर्फ अपनों का ही साथ दिया। हाथी अब साइकिल से उतरने को उतावला है तो तीर फिर कमल पर निशाना साधने का मौका तलाश रहा है। चुनाव प्रचार में ईवीएम पर निशाना साधते रहे कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी को अब अपने ही वरिष्ठ नेताओं से गिला है कि उन्होंने पार्टी के बजाय अपने बेटों को जिताने में ज्यादा समय और ऊर्जा लगायी। उनकी बहन एवं कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी ने भी नाराजगी जतायी कि वरिष्ठ नेता अपने–अपने बेटों के चुनाव क्षेत्रों में व्यस्त थे, नतीजतन उनका भाई अकेला पड़ गया। कांग्रेस संसदीय दल की बैठक में भाषण से संकेत मिलता है कि राहुल इस्तीफा देने की जिद छोड़ देंगे, लेकिन ऐसी रीति–नीति से कांग्रेस कैसे बचेगी–बढ़ेगी? दिल्ली में युवा अजय माकन के इस्तीफे के बाद 81 साल की शीला दीक्षित को कांग्रेस अध्यक्ष बनाने का फैसला राहुल का ही था। जाहिर है, राजस्थान और मध्य प्रदेश में क्रमशः उम्रदराज अशोक गहलोत और कमलनाथ को मुख्यमंत्री बनाने तथा फिर उनके बेटों को लोकसभा चुनाव में टिकट देने की जिम्मेदारी से भी राहुल बच नहीं सकते। लगातार दूसरी बार नेता प्रतिपक्ष के दर्जे तक से वंचित कांग्रेस कोपभवन में है तो मोदी मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण के साथ ही बिहार के अपने सुशासन बाबू भी फिर नरेंद्र मोदी से असंतुष्ट हो गये हैं। तमाम प्रतिकूलताओं के बावजूद जब भाजपा को इस बार भी लोकसभा में अकेलेदम बहुमत मिल गया तो उसने राजग के सहयोगी दलों को प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व के रूप में एक–एक मंत्री पद देने की नीति बनायी। दो सीटों पर सिमट गये शिरोमणि अकाली दल ने तो हरसिमरत कौर को उनका पुराना ही मंत्रालय दिये जाने पर कोई ना–नुकुर नहीं की, लेकिन शायद प्रमोशन या पसंद का मंत्रालय न मिलने से खफा दो ही सीटों वाले अपना दल की सर्वेसर्वा अनुप्रिया पटेल ने शपथ नहीं ली। भाजपा के सबसे पुराने दोस्तों में से एक शिवसेना ने भी मात्र एक मंत्री पद मिलने पर आपत्ति नहीं की, लेकिन मोदी के विरोध में भाजपा से 17 साल पुरानी दोस्ती तोड़कर पुराने विरोधी लालू यादव से गलबहियां कर जुलाई, 2017 में फिर राजग में लौटे नीतीश कुमार के जनता दल–यूनाइटेड को एक मंत्री पद कबूल नहीं हुआ। असली मंशा तो आने वाला समय ही बतायेगा, लेकिन उनकी मांग थी कि सांसदों की संख्या के अनुसार मंत्री पद मिलने चाहिए। राजद–कांग्रेस महागठबंधन के साथ मिलकर चुनाव लड़ने पर 2014 में महज दो सीटों पर सिमट गये जनता दल–यूनाइटेड को इस बार भाजपा ने अपनी जीती हुई सीटों समेत कुल 17 सीटें लड़ने को दीं, और वह 16 सीटें जीत भी गया।

जनता दल–यूनाइटेड के दो से 16 लोकसभा सीटों तक पहुंच जाने में नीतीश के सुशासन का योगदान है या मोदी लहर का—इसका फैसला आसान नहीं, लेकिन भविष्य में भी केंद्र सरकार से दूर ही रहने के ऐलान और बिहार में भाजपा के बिना ही मंत्रिमंडल विस्तार से साफ है कि दोनों दलों के बीच फासले बढ़ रहे हैं। यह आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति है या नीतीश की फिर पालाबदल की तैयारी, इस सवाल के जवाब के लिए अभी इंतजार करना होगा। वैसे सत्ता के लिए बनने वाले चुनावी समीकरणों में स्वार्थों के टकराव से ही खटास आती है। राष्ट्रीय लोकसमता पार्टी के मुखिया उपेंद्र कुशवाहा की बढ़ती महत्वाकांक्षा ने उन्हें कहीं का नहीं छोड़ा। पिछले लोकसभा चुनाव में राजग के घटक दल के रूप में तीन सीटों पर लड़ी रालोसपा दो सीटों पर जीती थी। भाजपा उन्हें उनकी जीती हुई दो सीटें देना चाहती थी, पर वह चार सीटों पर अड़े रहे। बात नहीं बनी तो केंद्र में मंत्री पद छोड़ राजग–कांग्रेस के महागठबंधन में शामिल हो गये। वहां उन्हें लड़ने को तो ज्यादा सीटें मिल गयीं, लेकिन चुनाव परिणाम में शून्य ही हिस्से आया। रालोसपा के हिस्से की सीटों में से भी दो सीटें पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी के हिस्से आ गयीं, और किस्मत देखिए कि वह सभी छह सीटें जीत भी गयी। खराब स्वास्थ्य के चलते पासवान लोकसभा चुनाव नहीं लड़े, पर केंद्र में मंत्री बन जाने से साफ है कि अब भाजपा पर उन्हें राज्यसभा में भेजने का दबाव रहेगा। उधर 2014 के विधानसभा चुनाव में जीते रालोसपा के दोनों विधायक भी पाला बदलकर जनता दल–यूनाइटेड में शामिल हो गये हैं। सत्ता का यह खेल देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में भी शुरू हो गया है। पिछली बार भाजपा को वहां से अकेलेदम 71 और सहयोगियों के साथ 73 लोकसभा सीटें मिली थीं। बसपा का खाता नहीं खुला था तो सपा 5 सीटों पर सिमट गयी थी। मत प्रतिशत के आधार पर, और विधानसभा चुनावों में सफाये के बाद भी, उपचुनावों में मिली जीत से सपा–बसपा को लगा कि मिलकर भाजपा को हराया जा सकता है। महज दो सीटों की पेशकश पर कांग्रेस तो बिदक गयी, लेकिन सपा–बसपा ने अजित सिंह के रालोद को तीन सीटों पर मना लिया। राजनीतिक पंडित भी मान रहे थे कि यह महागठबंधन भाजपा के विजय रथ को रोक सकता है, लेकिन चुनाव परिणाम ने साबित कर दिया कि चुनावी राजनीति अंकगणित मात्र नहीं है। हां, इसका इतना असर तो हुआ कि भाजपा 64 सीटों तक ही पहुंच पायी, लेकिन असली फायदा बसपा को मिला, जो शून्य से छलांग लगाकर 10 सीटों पर पहुंच गयी। सपा पांच सीटों का आंकड़ा तो बचाने में सफल रही, पर खुद सपा प्रमुख अखिलेश की पत्नी डिंपल और चचेरे भाई अक्षय यादव चुनाव हार गये। अजित सिंह और उनके पुत्र जयंत भी हार गये। चौंकाने वाला तथ्य यह भी कि महागठबंधन के बावजूद भाजपा का मत प्रतिशत घटने के बजाय बढ़ा ही। सपा–बसपा गठबंधन का अघोषित समझौता ही यह था कि भाजपा को रोकते हुए 50–60 लोकसभा सीटें हासिल कर मायावती प्रधानमंत्री बनने की अपनी महत्वाकांक्षा पूरी करने के लिए दांवपेच आजमायेंगी, जबकि अखिलेश उत्तर प्रदेश की राजनीति करेंगे। अब जबकि मायावती के लिए राष्ट्रीय राजनीति का रास्ता खुलने से पहले ही बंद हो गया तो वह भला उत्तर प्रदेश अखिलेश के लिए कैसे छोड़ दें। सो, शून्य से छलांग लगाकर 10 सीटें जीत लेने वाली बसपा की सुप्रीमो ने पांच ही सीटों तक सीमित रही सपा पर आरोप लगाया है कि वह अपना परंपरागत यादव वोट बैंक ट्रांसफर नहीं करवा पायी। इसलिए अब राज्य में होने वाले 11 विधानसभा उपचुनाव बसपा अपने बूते पर लड़ेगी। मायावती भले ही कहें कि यह स्थायी ब्रेकअप नहीं है, पर 2010 के बाद से उपचुनाव न लड़ने वाली बसपा के इस ऐलान का संदेश साफ है कि महागठबंधन अब इतिहास की बात है। ऐसे में अखिलेश के पास यह कहने के अलावा कोई विकल्प ही नहीं बचता कि वह भी उपचुनाव अपने साधन–संसाधनों के आधार पर लड़ेंगे, पर शायद वह यह मानने को अभी भी तैयार नहीं कि दरअसल इस खेल में मायावती खिलाड़ी और वह अनाड़ी ही साबित हुए हैं।

ज्ञान गंगा

ध्यान

जग्गी वासुदेव

ध्यान का अनुभव लेने के लिए इसके प्रति बेहद आकर्षण और असीम सम्मोहन होना चाहिए, आपकी दिलचस्पी ''शून्यता' में होनी चाहिए। दिन आते हैं और दिन जाते हैं, हम लगातार किसी–न–किसी बात में उलझे रहते हैं, हमेशा किसी ना किसी चीज में व्यस्त रहते हैं। लेकिन यदि आप गहन ध्यान का अनुभव लेना चाहते हैं और उसकी गहराई में लीन होना चाहते हैं, ऐसे में आपके ध्यान का उद्देश्य शून्य होना चाहिए, वास्तव में कुछ नहीं होना चाहिए। यदि आप ध्यान लगाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन वास्तव में आपकी शून्यता में ''दिलचस्पी' नहीं है तो सच में आप इससे ऊब जाएंगे। यह उसी तरह है, जैसे आप किसी फिल्म थियेटर में अंधेरे में बैठकर फिल्म के शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं, ऐसे में आपको इस इंतजार से हताशा और उबाऊपन का अनुभव होगा। लेकिन आप कल्पना करें कि आप फिल्म थियेटर में बैठे हैं और इंतजार करने की जगह फिल्म शुरू हो जाती है। ऐसे में आपको फिल्म में बहुत ज्यादा दिलचस्पी उत्पन्न होती है, उस अंधकार में, उसके कुछ नहीं होने में भी आपकी दिलचस्पी होती है। शून्यता में भी ''कुछ' होता है, जिसे प्राप्त करने के बाद वह असीम सम्मोहक हो जाता है और जिसे पूरी तरह से अवशोषित किया जाता है। जितनी गहराई से आप शून्यता की प्रकृति में प्रवेश करने की क्षमता रखते हैं, उतनी ही गहराई से होने या ना होने, जीवन और मृत्यु जिनका अतिक्रमण होता है, वह अपने आप ही सुलझने लगते हैं। हमारी आंखों के सामने जो भी आता है देखने के लिए उससे कहीं ज्यादा है, जो हमें दिखाई ही नहीं देता। एक बार यदि वास्तव में आप अंधेरे में दिलचस्पी लेने लगते हैं, तब आप नहीं चाहेंगे कि फिल्म शुरू हो। फिल्म के शुरू होने पर वास्तव में आप नीरस हो सकते हैं। आप ध्यान क्यों करते हैं? आप ध्यान करते हैं क्योंकि आप स्वयं को यह याद दिलाना चाहते हैं कि आप कोई कैदी नहीं हैं। आप अपने मन की कैद में नहीं हैं। न ही आप अपनी भावनाओं की कैद में पड़े हुए हैं। यह सुनने में आसान लगता है लेकिन यह भूलने में भी उतना ही आसान है। यदि आप सब इस बात से परिचित हैं कि यह विचारों और भावनाओं का अंतहीन रोलरकोस्टर है तो आप वास्तव में इस बात पर विास कर लेंगे कि आप निश्चित रूप से फंसे हुए हैं।

आज का राशिफल

मेष	शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।
वृषभ	पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खान–पान में संतुलन बना कर रखें। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।
मिथुन	दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। आय के नये स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रुपए पैसे के लेन–देन में सावधानी अपेक्षित है।
कर्क	पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। धन लाभ होगा।
सिंह	रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
कन्या	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।
तुला	आर्थिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।
वृश्चिक	पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। अधीनस्थ कर्मचारी का सहयोग रहेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।
धनु	जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन हानि की संभावना है।
मकर	दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
कुम्भ	गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। खान पान में संयम रखें। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।
मीन	पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

जिंदगियां लीलता विनाशकारी विकास

ज्ञानेन्द्र रावत

पर्यावरण संरक्षण के बिना आज सब कुछ अधूरा है क्योंकि आज नदी, जल, वायु, सभी कुछ तो प्रदूषित है। देश की राष्ट्रीय नदी गंगा, यमुना सहित तकरीबन 70 फीसदी नदियां प्रदूषित हैं। कुछ तो अपने अस्तित्व के लिए जूझ रही हैं। समूचे जल स्रोत प्रदूषित हैं। वायु प्रदूषित है। हालात यहां तक विषम हो गए हैं कि देश की राजधानी दिल्ली में जहरीली हवा के चलते लोग श्वास, धमनी, नेत्र सहित जानलेवा बीमारियों की चपेट में हैं। अधिकांश जंगल समाप्त हो चुके हैं। हरियाली के कहीं–कहीं दर्शन होते हैं। सही कहा जाये तो अब वह खत्म हो चुकी है। शहरों में बंगलों और घरों के अंदर जो हरियाली देखने को मिल रही है, उसे प्रतीकात्मक ही कहा जाये तो कुछ गलत नहीं होगा। जंगलों के अभाव में वन्यजीव जो हमारे पारिस्थितिकी तंत्र में अहम भूमिका निभाते थे, आज संकट में हैं। वे भोजन–पानी की तलाश में शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं। पर्यावरण चेतना प्राचीन काल से हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग रही है। हमारे पूर्वजों ने पर्यावरण चेतना को धर्म के माध्यम से जनजीवन के प्रगाढ़ बंधन में बांध दिया था। हमारी संस्कृति वन प्रधान रही है। वन ही उपनिषदों की रचना के केन्द्र रहे, योगी–मुनियों की तपस्थली रहे। बट, पीपल, खेजड़ी आदि वृक्षों को धर्म के माध्यम से संरक्षित कर पर्यावरण को अधिक से अधिक सुरक्षित रखने का प्रयास किया गया। विभिन्न जीवों को हमने विभिन्न देवी–देवताओं के वाहन के रूप में स्वीकार कर उन्हें पूजनीय ही नहीं, वरन संरक्षणीय श्रेणी में स्थान दिया। जल को देवता की संज्ञा दी गयी और नदियों को देवी स्वरूपा मान उन्हें पूजा गया और इसी उद्देश्य से उन्हें शुद्ध रखने की परंपरा विकसित हुई। लेकिन विकास के पश्चिमी मॉडल का अनुसरण कर और भौतिक सुख–संसाधनों की चाहत की बढ़ती होड़ ने पर्यावरण के प्रति हमारे सदियों के उस प्रेम का अवसान कर दिया। इसमें दो राय नहीं कि यदि अब भी हम नहीं चेते तो बहुत देर हो जायेगी। पर्यावरण और प्रदूषण की भयावहता को लेकर आये–दिन खबरें समाचार पत्रों की सुर्खियां बनती रहती हैं। लेकिन हम तब भी सचेत नहीं होते। उस स्थिति में भी जबकि हमारे देश की दुनिया के सर्वाधिक प्रदूषित देशों में गिनती होती है। देश की राजधानी दिल्ली देश में प्रदूषित शहरों की सूची में सबसे ऊंचे पायदान पर है। ग्लोबल इन्वायरमेंट इंडेक्स की सूची में शामिल 180 देशों में भारत का सबसे निचले पायदान पर पहुंचना पर्यावरण के मामले में देश की बदहाली का प्रतीक है। देखा जाये तो देश की आबोहवा इतनी खराब है कि इसे दुनिया के खराब पांच देशों यथा– बांग्लादेश, नेपाल, बुरंडी और कांगो में शामिल किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार भारत और चीन आबादी और विकास के भारी दबाव से जूझ रहे हैं। विकास की गति तेज करने का सीधा–सा असर पर्यावरण पर पड़ रहा है। नतीजतन वायु की गुणवत्ता गिर रही है। पर्यावरण की समस्या प्राणियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही है। हवा के साथ पानी, मिट्टी भी दूषित हो रही है। इसलिए पर्यावरण सुधार के लिए बड़े कदम उठाने की बेहद जरूरत है। अंतर्राष्ट्रीय संगठन ग्रीन पीस इंडिया की सालाना रिपोर्ट में इस बात का खुलासा हुआ है कि देश की राजधानी दिल्ली वायु प्रदूषण के मामले में सबसे अधिक प्रदूषित शहरों की सूची में सर्वोच्च स्थान पर है। देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश के शहर भी दिल्ली से कम प्रदूषित नहीं हैं। वायु प्रदूषण से सबसे ज्यादा प्रदूषित गंगा के मैदानी इलाके के शहर हैं। रिपोर्ट के अनुसार देश के शहरों के 55 करोड़ लोग राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता सूचकांक मानक से कई गुणा ज्यादा वायु प्रदूषण में सांस लेने को विवश हैं। इसमें पांच साल से कम आयु के 4 करोड़ 70 लाख

बच्चे भी शामिल हैं। इनमें से तकरीबन 65 लाख बच्चे अकेले उत्तर प्रदेश से हैं। असल में प्रदेश के 53 जिलों में वायु गुणवत्ता नापने की कोई व्यवस्था तक नहीं है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की मानें तो दिल्ली में प्रदूषण के कारण चार साल के बच्चों से लेकर सत्रह साल तक के किशोर ब्लड प्रेशर, फेफड़े से सम्बंधित व सांस की बीमारियों की चपेट में हैं। भारत की महिलाएं इंग्लैंड और फ्रांस की महिलाओं के मुकाबले 20 गुणा ज्यादा प्रदूषित हवा में सांस लेने को मजबूर हैं। उनकी प्रजनन क्षमता प्रभावित हो रही है सो अलग। वाहनों से निकलने वाला धुआं इसमें प्रमुख भूमिका निभाह रहा है। इसलिए कुछ करना होगा अन्यथा गंभीर परिणामों को भुगतने के लिए तैयार रहना होगा।

सेहत का खजाना हैं हरी सब्जियां

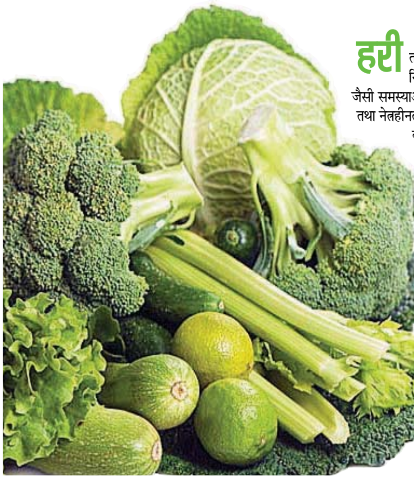

हरी सब्जियां सेहत की खजाना है ये हमें कई तरह की बड़ी बीमारियों से बचाती है। इनका नियमित सेवन न केवल रक्तचाप, ब्लड शुगर जैसी समस्याओं का खतरा कम कर सकता है बल्कि कैंसर तथा नेत्रहीनता आदि से बचाव भी कर सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि हरी सब्जियों के सेवन की आदत बचपन से ही होनी चाहिए. इनमें रेशा, प्रोटीन, विटामिन, कई जरूरी अम्ल आदि भरपूर होते हैं जो कई बीमारियों से बचाव में मददगार होते हैं।गाजर, पालक, चौलाई, सरसों के साग में बीटा कैरोटिन, ल्यूटिन और जेएक्सैन्थिन कैरोटिनॉयड होते हैं।ये एंटी ऑक्सीडेंट हैं और कैंसर को शुरुआती अवस्था में ही रोक सकते हैं।

पालक से स्तन कैंसर में बचाव

विटामिन बी कॉम्प्लेक्स की भरपूर मात्रा वाली सब्जियों जैसे पालक आदि के सेवन से स्तन कैंसर, त्वचा तथा फेफड़ों के कैंसर का खतरा कम होता है। ल्यूटिन की वजह से बढ़ती उम्र के साथ साथ मांसपेशियों के क्षरण (एज रिलेटेड मस्क्युलर डीजनरेशन. एएमडी) की प्रक्रिया धीमी हो जाती है। एएमडी के कारण ही उम्र के साथ नेत्रहीनता बढ़ती है। फोलेट जन्म से होने वाली विकृतियों को रोकता है। यह डीएनए के डुप्लीकेशन और उसकी मरम्मत के लिए भी जरूरी है। अगर डीएनए की मरम्मत नहीं हुई और कोशिकाएं क्षतिग्रस्त होती रहीं तो कैंसर हो सकता है।

फोलेट का भरपूर मात्रा में सेवन कोलोन यानी गुदा में पॉलिप का खतरा भी घटाता है। ये पॉलिप ही गुदा के कैंसर का कारण होते हैं। महिलाओं में फोलेट की कम मात्रा की वजह से स्तन कैंसर का खतरा भी बढ़ जाता है।

सब्जियां से बढ़ती है शरीर की प्रतिरोधक क्षमता

मटर जैसी कुछ सब्जियों में बहुत कम कैलोरी होती है. इसमें आयरन, कॉपर, जिंक और मैगनीज, घुलनशील और अघुलनशील फाइबर, विटामिन सी यानी एस्कॉर्बिक एसिड आदि होते हैं जिससे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है. इसमें विटामिन के भी होता है। अल्झाइमर के मरीजों में तंत्रिका संबंधी क्षति विटामिन के से सीमित की जा सकती है। शिमला मिर्च में सेहत के लिए उपयोगी कैरोटिनाएड, प्रोटीन, वसा, विटामिन ए, विटामिन सी, कैप्सीनॉयड ओलेरेजिन, प्रोविटामिन और स्टीरॉयडल एल्केलॉयडल ग्लाइकोसाइड्स होते हैं।

आंखों की रोशनी और चिकनी त्वचा के लिए फायदेमंद समझी जाने वाली शिमला मिर्च से घाव भरने और रक्तचाप कम करने में भी मदद मिलती है।यह चयापचय को तेज कर कैलोरी घटाती है इसलिए वजन घटाने के इच्छुक लोगों के लिए यह लाभकारी है। कद्दू में कैल्शियम, कार्बोहाइड्रेट, रेशे, फोलेट, आयरन, मैग्नीशियम, नायसिन, पोटैशियम, प्रोटीन, सेलेनियम, विटामिन ए, सी, ई, जिंक जैसे महत्वपूर्ण तत्व पाए जाते हैं. कैरोटिनॉयड और जिंक की अधिक मात्रा की वजह से कद्दू शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखता है. इसमें पाया जाने वाला बीटा कैरोटिनॉयड धमनियों में कोलेस्ट्राल एकत्र नहीं होने देता जिससे आघात का खतरा भी कम होता है।

अस्थमा है तो इस मौसम में संभल जाएं

बारिश का मौसम सामने है। यह मौसम अस्थमा के मरीजों को सबसे ज्यादा सताता है और उनकी तकलीफ 50 फीसदी तक बढ़ जाती है। आमतौर पर सांस की नली के ऊपरी हिस्से में तीव्र संक्रमण होने पर अस्थमा का दौरा पड़ता है। इसे गंभीरता से नहीं लिया जाता। लेकिन मामूली बीमारी समझकर इसकी अनदेखी करना उचित नहीं है। अस्थमा का दौरा कई कारणों से पड़ सकता है। घर या घर के बाहर किसी वजह से एलर्जी, धूल, मिट्टी, घास, कॉकरोच, कुत्ते, बिल्ली जैसे बालों वाले जानवरों से होने वाली एलर्जी आदि इस दौरे का कारण बन सकती है, वहीं मौसमी बदलाव भी इसके लिए काफी जिम्मेदार होता है। मानसून और अक्तूबर-नवम्बर में यह समस्या काफी बढ़ जाती है।

क्या है अस्थमा

ऐसे लोगों में आमतौर पर घबराहट, तेज खांसी, सांस लेने में तकलीफ और घुटन जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। फेफड़ों तक हवा पहुंचाने वाली ट्यूब में रुकावट, सूजन, खवापन आदि के कारण ऐसा होता है। अस्थमा के कारणों को जानकर इसे खुद नियंत्रित किया जा सकता है, मगर आमतौर पर जागरूकता के अभाव में लोग ऐसा नहीं कर पाते। यही वजह है कि अस्थमेटिक अटैक के मामले भी बढ़ते जा रहे हैं। अब तो बच्चे भी इसकी गिरफ्त में आते जा रहे हैं। डॉं आर्य कहते हैं कि वातावरण का प्रदूषण इसके लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार है। यही वजह है कि चाहे गांव हो या शहर, सब जगह यह समस्या सामान्य रूप से देखी जा रही है। लेकिन बचाव के उपायों को ध्यान में रखकर खुद ही अस्थमा को नियंत्रित किया जा सकता है।

उपचार

अस्थमा के इलाज के लिए कुछ दवाओं व इन्हेलर का इस्तेमाल किया जाता है। इससे सांस की नली और फेफड़ों की जकड़न खुल जाती है और मरीज आराम से सांस ले सकता है। कुछ लोगों में इस बात की गलतफहमी होती है कि इन्हेलर का इस्तेमाल आपको इसका आदि बना देता है। ऐसा न सोचें।

इन बातों का रखें ख्याल

जिन चीजों से एलर्जी हो उनसे दूर रहें। जैसे कुछ लोगों को पालतू जानवरों, पुरानी किताबों की गंध, परफ्यूम, अगरबत्ती, धूपबत्ती आदि से भी एजर्ली होती है। ठंडी हवा, धूल या नमी से बचकर अस्थमा अटैक को रोका जा सकता है। अस्थमा का असर जब ज्यादा हो तब सीढ़ियां धीरे-धीरे चढें। समय-समय पर वजन की जांच करते रहें।

बचाव के उपाय

सभी तरह की सांस की समस्या अस्थमा नहीं होती, कार्डिएक अस्थमा भी हो सकता है।ठंडी हवा, धूल या नमी से बचकर अस्थमेटिक अटैक को रोका जा सकता है।सिगरेट न पिएं और सिगरेट पीने वाले व्यक्ति से दूर रहें। अस्थमेटिक लोगों को व्यायाम करते वक्त बीच-बीच में आराम करना चाहिए। 20 प्रतिशत अस्थमा के मरीजों को एस्प्रिन जैसी दवाओं से तकलीफ होती है। ऐसे लोग एसीटैमिनोफेन का इस्तेमाल कर सकते हैं।

फिटनेस अब आपके हाथ

आप में से कितने ही लोग होंगे जो स्लिमिंग सेंटर गए होंगे, दुबले बनाने वाले उत्पादों को आजमाया होगा तथा वजन कम करने के लिए तमाम तरीके अपनाएं होंगे। कुछ औरतें तो पतली होने के लिए खुद को भूखा रखती है। कितनी ही महिलाएं चर्बी घटाने वाली गोलियों का सेवन करती हैं या फिर वेट मैनेजमेंट के नाम से अजीबोगरीब से शेक पीती हैं। क्या आपने कभी सोचा है कि इन सब से आपके समय और पैसे का कितना नुकसान होता है?

औरतें क्यों वजन के लिए इतना निवेश करती हैं? जाहिर सी बात है, क्योंकि मोटापा बढ़ रहा है। मोटापा एक बड़ा रोग है जो भारत समेत दुनिया भर में बहुत से लोगों को अपना शिकार बना रहा है। 35 वर्ष व उससे ऊपर के आयु वर्ग में भारतीय शहरों की 3 में से 2 औरतें तथा ग्रामीण भारत की 3 में से 1 महिला ओवरवेट पाई गई हैं। ये आंकड़े तीन सालों तक कई जगहों में चले अध्ययन से मिले हैं। इस अध्ययन के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने भारत के 4 प्रदेशों में लगभग 5 हजार महिलाओं को शामिल किया।

भारतीय महिलाओं के लिए आज मोटापा सबसे अधिक चिंता का विषय है। जो महिलाएं अपने शरीर के प्रकार और वजन से खुश नहीं हैं वे इसे सही आकार में लाने का प्रयास करने लगती हैं। अपने इस अभियान में औरतें विभिन्न किस्म की खुराक पर पैसा खर्च करती हैं और डॉक्टर द्वारा लिखी गई या ओवर द काउंटर दवाएं लेती हैं जिससे उनकी भूख कम हो और वे पतली हो सकें।

लेकिन वे इस सच्चाई से अवगत नहीं हैं कि वजन कम करने के लिए उन्हें अपनी जीवनशैली बदलनी होगी। इस प्रकार के तुरत फुरत विकल्पों से स्थायी तौर पर वजन कम नहीं किया जा सकता।

ऐसे कई तरीके अल्प समय के लिए ही प्रभावकारी होते हैं क्योंकि यदि जीवन जीने के तरीके में कोई बदलाव न किया जाए, तो आप फिर से कई किलो शरीर पर चढ़ा लेंगी और आपका सारा पैसा, सारे प्रयास व्यर्थ हो जाएंगे। इससे भी बुरा यह हो सकता है कि आप अपनी जरूरी मांस पेशियों को खो बैठें तथा गैर जरूरी चर्बी हासिल कर लें। आवश्यकता इस बात की है कि स्वास्थ्यकर खानपान और शारीरिक रूप से सक्रिय जीवनशैली की शुरूआत करे। 98 प्रतिशत फैट घे ब्रेकफास्ट सीरियल को स्किम मिल्क और एक फल के साथ दिन में दो बार लेने से एक स्वास्थ्यकर संतुलित कम वसा युक्त खुराक तय हो जाती है।

फिर इसके साथ व्यायाम योजना जैसे पैदल सैर का पालन करने से वजन घटाने का कार्यक्रम बहुत ही सरल तरीके से बेहद कम खर्च में शुरूहो जाता है। और साथ में रोजाना आधे घंटे तक तेजी से पैदल चलने की कसरत करके दो सप्ताह में ढाई किलो तक वजन घटाया जा सकता है।

उसके बाद इसी किस्म की खुराक को दैनिक ब्रेकफास्ट का हिस्सा बनाकर स्वास्थ्यकर, कम वसा युक्त संतुलित भोजन और दैनिक व्यायाम के साथ वजन को सही जगह पर लाना आसान हो जाएगा।

ओवरवेट महिलाओं के लिए जरूरी है कि वे वसारहित भोजन करें, इसके साथ वे कुछ शारीरिक गतिविधियां भी करें जैसे तेज चलना, जॉगिंग, तैराकी आदि। घ्सा कम से कम 30 मिनट तक रोज करें। जीवनशैली में बदलाव करने से स्थायी प्रभाव पड़ेगा। इस तरह वजन भी घटेगा और एक अच्छी आदत भी पड़ेगी।

स्वास्थ्यकर खानपान

रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट जैसे सफेद चावल, रिफाइंड आटे जैसे मैदा, केक और पेस्ट्री, समोसे, मठरी, सफेद ब्रैड, पास्ता आदि से परहेज करें। घ्से खाद्य पदार्थों का सेवन करें जो संश्लिष्ट कार्बोहाइड्रेट से भरपूर हों, जिनसे फाइबर मिले जैसे हाई फाइबर रोटियां, ब्रैड, पास्ता, फल, सब्जियां, बीन्स, दालें और रैडी टू ईट सीरियल जो 98 प्रतिशत तक वसा मुक्त हों। दिन में कम से कम 8-10 गिलास पानी पिएं।

एक और बहुत ही अच्छा विकल्प है कि आप खुद दो हफ्तों का चौलेंज लीजिए जिसके तहत आपको 98 प्रतिशत फैट घे ब्रेकफास्ट सीरियल लो फैट मिल्क और एक फल के साथ दिन में दो बार लेना होगा।

साथ में स्वास्थ्यकर संतुलित भोजन और नियमित व्यायाम कार्यत्म का पालन करना होगा। इस तरह आप दो सप्ताह में ढाई किलो तक वजन कम कर सकती हैं। ये सीरियल सबसे अधिक खाए जाने वाले अनाज-गेहूँ से बने होते हैं, जो 98 प्रतिशत तक वसा मुक्त होते व प्रोटीन एवं फाइबर युक्त तथा विटामिनों से भरपूर होते हैं।

अपनी खुराक में गिरियां जैसे बादाम और अखरोट शामिल करें ये मोनो-अनसैचुरेटिड फैट से भरपूर होते हैं। भूखे रहने की बजाय थोड़ी थोड़ी मात्रा में कई बार खाएं। अधिकतर सब्जियों और फलों को शामिल करें।

शारीरिक सक्रियता

स्वास्थ्यकर तरीके से वजन घटाने का महत्वपूर्ण हिस्सा है शारीरिक रूप से सक्रिय रहना। कोई भी शारीरिक गतिविधि न सिर्फ कैलॉरी कम करती है बल्कि आपके दिल व फेफड़ों की सेहत भी सुधारती है। आप को हर रोज कसरत करनी होगी तथा जितनी भी कैलॉरी आप खाते हैं उसे जलाने के लिए मेहनत करनी होगी।

प्रतिदिन घ्से व्यायाम करें जिससे आपका पसीना निकले जैसे तेज चलना, जॉगिंग, रस्सी कूदना, तैरना, साइकिल चलाना आदि। यदि आप रोज 15 मिनट तक कसरत करती हैं तो वह पर्याप्त है।

उन चार रास्ता के पास जर्जर बिल्डिंग का एक हिस्सा धराशायी

सूरत। उन चार रास्ता के पास रोड़ पर एक जर्जर बिल्डिंग का एक हिस्सा धराशायी हो जाने से अग्निशामक दल की टीम ने घटानस्थल पर पहुंच कर बिल्डिंग के बाकी बचे जर्जर भयजनक हिस्से को गिराने का काम समाचार लिखे जाने तक जारी है।

आंगडिया पेढी का कर्मचारी हरीपुरा से नकद रुपये 50 लाख लेकर लापता

सूरत। गुरुवार हरीपुरा स्थित पटेल मंगन लाल शंकरदास आंगडिया पेढी में डिलीवरी मैन का काम करने वाले पाटण निवासी घनश्याम व्यास तिजोरी में से नकद रुपये 50 लाख लेकर भाग गया था। लालगेट पुलिस ने चोरी का अपराध दर्ज कर जांच की कार्यवाही शुरु कर दी है।

लालगेट पुलिस सूत्रों के अनुसार हरीपुरा भवानी वड स्थित पटेल मगनलाल शंकर दास आंगडिया पेढी में डिलीवरी मैन तरीके काम करने वाला घनश्याम जयन्ती लाल व्यास (मूल निवासी पाटण) नकद रुपये 50 लाख चोरी कर भाग गया था। इस घटना के संदर्भ में पेढी के हितेश नवीन चन्द्र पटेल ने लालगेट पुलिस स्टेशन में फरियाद दर्ज करायी है। लालगेट पुलिस ने आरोपी घनश्याम जयन्तिलाल व्यास के विरुद्ध आई. पी.सी. की कलम 381 के तहत अपराध दर्ज कर कायदेसर जांच की कार्यवाही शुरु कर दी है। इस घटना की जांच लालगेट पुलिस स्टेशन के पी.एस.आई. आर.एन.पेटल कर रहे है।

वराछा में वर्ल्ड कप क्रिकेट मैच पर सट्टा खेलते तीन गिरफ्तार

सूरत। गुरुवार गत दिवस खेले गये वर्ल्डकप की दक्षिण अफ्रीक एवं भारत के बीच मैच के उपर जुआ खेलते तीन लोगों की वराछा पुलिस ने गिरफ्तारी कर 48,500 का मुद्दा माल जब्त किया है। वराछा पुलिस से मिली सूचनानुसार इस संदर्भ में वराछा डायमंड वर्ल्ड में स्थित रुम नं. जी-6 में छापा मारकर इस रुम में भारत एवं दक्षिण अफ्रीका के बीच खेली जाने वाली मैच पर हार जीत का जुआ खेल रहे थे। वराछा पुलिस ने पुहंचकर मोबाइल फोन, टी. वी. सेट अप बाक्स, डायरी सहित कुल 48,500 का मुद्दा माल जब्त कर आरोपी गौरव अशोक, जगदीश परमार तथा घनश्याम की गिरफ्तारी कर कायदेसर कार्यवाही शुरु कर दी है।

सूरत में लालदरवाजा स्थित विदेश व्यापार कार्यालय द्वारा एजेन्ट प्रथा को प्रोत्साहन देने का आरोप

प्रतिदिन सैकड़ों अरजियां कार्यालय में आने के बावजूद एजेन्ट के बिना आयात-निकास की मंजूरी नहीं मिलती

सूरत। गुरुवार को सूरत के लालदरवाजा स्थित विदेश व्यापार कार्यालय में एजेन्ट प्रथा निर्मूलन के बाद भी इस कार्यालय द्वारा एजेन्ट प्रथा को प्रोत्साहन दिया जाता है। सूरत शहर से करोडो़ं अरबों रुपये का माल एक्सपोर्ट किया जाता है। हर बार विदेश व्यापार कार्यालय के पास से एक्सपोर्ट कोड एवं ड्राबेंक लेने हेतु व्यापारियों को इस कार्यालय में जाना पड़ता है। भारत के व्यापारियों द्वारा विदेश में चीज वस्तुओं को एक्सपोर्ट करने हेतु सरकार द्वारा व्यापारियों को प्रोत्साहन देने हेतु कई योजनाये कार्यान्वित की गयी है।

इससे सूरत की लाल दरवाजा स्थित विदेश व्यापार कार्यालय एजेन्ट प्रथा को प्रोत्साहन देकर व्यापारियों को परेशान करती है। एकस्पोर्ट इम्पोर्ट कोड़ (आई.सी.ई.) लेने हेतु इस कार्यालय में रोज 500 से ज्यादा एक्सपोर्ट हेतु मंजूरी की अरजिया आती है और वार्षिक करोड़ों अरबों रुपये का व्यापार मात्र सूरत में से होता है। सूरत शहर में अनेक व्यापारी केन्द्र सरकार की इम्पोर्ट एक्सपोर्ट कोड पर आधारित व्यापार धन्धा करते है। विदेशों में भेजने वाले माल के उपर ड्रा बैंक लेने हेतु के नियम का अनुसरण करने वाले व्यापारियों के पास से लाल दरवाजा स्थित विदेश व्यापार कार्यालय के सामने अनेक शिकायत उठने लगी है। विदेश व्यापार कार्यालय में सीधी अरजी की जाती है तो कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा एन केन प्रकार अरजी दबा दी जाती है तथा यह अरजी किसी एजेन्ट के माध्यम से करने हेतु दबाव डाला जाता है। जिससे व्यापारियों को बाध्य होकर एजेन्टों की शरण लेनी पड़ती है और एजेन्ट के माध्यम से की गयी अरजी मंजूर करने हेतु एजेन्टों एवं बचेटियाओं (बिचौलियों) द्वारा दबाव पैदा कर अनुचित लाभ की व्यवस्था की जाती है। ऐसी फरियादों की संख्या काफी दिनों से बढती ही जा रही है। प्रशासन इस दिशा में योग्य कार्यावाही कर पीडित एक्सपोर्टरों को समस्याओं से निजात दिलाये।

दूध खरीद मूल्य में प्रति किलो फैट पर १० रुपये की वृद्धि

अहमदाबाद । राज्य के पशुपालकों के लिए फिर एक बार खुश खबर अमूल की तरफ से आया है। अमूल द्वारा पशुपालकों को सौगात देते हुए दूध की खरीद मूल्य में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। अमूल दूध की खरीद मूल्य में प्रति किलो फैट पर १० रुपये की वृद्धि की गई है। उल्लेखनीय है कि, दो महीनों के दौरान अमूल द्वारा चार बार मूल्य वृद्धि की गई है। जिसकी वजह से पशुपालकों में खुशी की लहर फैल गई है। अमूल द्वारा पशुपालकों को सौगात देते हुए दूध की खरीद मूल्य में प्रति किलो फैट पर १० रुपये की वृद्धि की गई है। फिलहाल पशुपालकों को प्रति किलो फैट पर ६५० रुपया मिलता है। जो अब बढ़कर ६६० रुपया किया गया है। शनिवार से यह मूल्य वृद्धि पशुपालकों को चुकाया जाएगा।

अहमदाबाद शहर के जुनावाडज बलियादेव की चाली में एएमसी द्वारा अतिक्रमण हटाने के लिए आदेश मिल जाने के बाद स्थानीय निवासियों द्वारा प्रदर्शन किया गया।

डाक्टर परिवार द्वारा वही को दहेज हेतु त्रास देने के संदर्भ में पुलिस केस दर्ज

मायके आयी परिणीता ने अडाजण पुलिस स्टेशन में फरियाद दर्ज करायी

सूरत। गुरुवार अडाजण पुलिस स्टेशन क्षेत्र रहने वाले एक डाक्टर परिवार की बहू ने डाक्टर पति सहित ससुराल वालों के विरुद्ध दहेज हेतु मारने एवं त्रास देने की शिकायत अडाजण पुलिस स्टेशन में दर्ज करायी है। पुलिस सूत्रों द्वारा मिली सूचनानुसार महुआ गाम में स्टेशन फलिया जलाराम मन्दिर के सामने डा. मृणाल कुमार प्रकाश भाई पटेल की लग्न विधि अडाजण विस्तार की निवासी एक श्रमजीवी परिवार की युवती के साथ सम्पन्न हुई थी। लग्न जीवन दरम्यान डा. मृणाल पटेल (पति) प्रकाश मगन भाई पटेल ससरा 60 वर्ष दक्षा बेन पटेल सासू इत्यदि ने एक दूसरे की मदद से परिणीता के साथ दहेज की मांग के साथ शारीरिक एवं मानसिक त्रास एवं मारपीट करते थे। जिसेस तंग आकर परिणीता ने अपनी ससुराल छोड़कर मायके में आ गयी। अडाजण पुलिस स्टेशन में फरियाद दर्ज करायी है।

रथयात्रा के पहले शहर क्राइम ब्रांच की सफलता

जशोदानगर एक्सप्रेस हाइवे पर हथियारों के साथ चार गिरफ्तार

आठ पिस्तौल, दस देशी तमंचा, रिवाल्वर, ३८ कारतूस जब्त :जसदण का कुख्यात अपराधी भी गिरफ्तार हुआ

अहमदाबाद । अहमदाबाद शहर में रथयात्रा के पहले शहर क्राइम ब्रांच को बड़ी सफलता मिली है और शहर के जशोदानगर एक्सप्रेस हाइवे पर घातक हथियारों के बड़े जत्थे के साथ चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आठ पिस्तौल, दस देशी तमंचा, रिवाल्वर, ३८ जिंदा कारतूस सहित १८ हथियार जब्त किया गया और पूरे मामले में गहन जांच शुरू कर दी है।

आगामी महीने शहर में निकलने वाली भगवान जगन्नाथजी की रथयात्रा को लेकर शहर पुलिस ने पेट्रोलिंग, कोम्बींग, छापेमारी, वाहनचेकिंग सहित की जांच शुरू कर दी है और शहर में कई जगह पर हथियारों को लेकर जांच की जा रही है तब गुरुवार को क्राइम ब्रांच ने एक्सप्रेस वे के जशोदानगर पर हथियारों के बड़े जत्थे के साथ चार शख्स को गिरफ्तार किया गया। हत्या की दुश्मनी में खुद की हत्या हो इसके पहले आरोपी ने दो व्यक्ति की हत्या करने में यह हथियारों का जत्था लेकर आया था। पुलिस ने आरोपियों से १८ हथियार जब्त किया गया है। जिसमें रिवाल्वर और ३८ जिंदा कारतूस सहित के हथियार शामिल है। पुलिस ने हथियारों के साथ एक ब्रेजा कार भी जब्त किया गया था। आरोपियों ने मध्यप्रदेश से हथियार बेचने के लिए लाये होने की बात भी सामने आई थी, इसी वजह से क्राइम ब्रांच ने हथियारों की हेराफेरी और बिक्री के खतरनाक साजिश को लेकर जांच शुरू कर दी है। शहर क्राइम ब्रांच की टीम ने जानकारी के आधार पर जशोदानगर एक्सप्रेस वे निकट निगरानी रखी गई थी। जानकारी वाली ब्रेजा कार आने पर पुलिस ने इसे रोककर अंदर जांच करने पर आठ पिस्तौल, दस देशी तमंचा, ३८ जिंदा कारतूस मिला था।

कार में बैठे चार शख्स की पूछताछ करने पर उनके नाम वसीम कथीरी (जसदण), इमरान खान पठाण (जुहापूरा), अफजल मांडलीया (जसदण) और सिकंदर उर्फ बापू सैयद (जूनागढ़) होने का बताया गया। आरोपियों की पूछताछ करने पर वसीम कथीरी सिकंदर और इमरान पहले हत्या का प्रयास और हत्या जैसे अपराध में गिरफ्तार हो चुके थे।

डभोली में रुपये के लेन देन के मामले में दो बिल्डरों पर चाकू से महला

सूरत। गुरुवार को भागीदारी में रुपये के लेन देन के मामले में हुए झगड़े में चार लोगो ने कांस्ट्रक्शन काम करने वाले दो लोगों पर चाकू से हमला कर उन्हें घायल करने के बाद भाग गये। चौक बाजार पुलिस सूत्रों के अनुसार डभोली रोड़ सरदार नगर सोसाइटी में रहने वाले बिल्डर अमित वालजी मोरी ने आरोपी भीखा भाई, अरुबा भाई तथा दो अज्ञात के विरुद्ध पुलिस फरियाद दर्ज की गयी है। फरियाद के अनुसार फरियादी के भागीदार हरेश भाई के साथ रुपये के लेन देन के मामले में आरोपियों ने झगड़ा कर हरेश भाई की धक्का मुक्की कर मारा, फरियादी के पीठ के भाग में चाकू से वार कर घायल करने के बाद भाग गये।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा शैक्षणिक कैलेन्डर घोषित

२०२० में कक्षा १०-१२ की बोर्ड परीक्षा ५ मार्च से होगी

पूरे वर्ष के दौरान कुल २४६ दिन शैक्षणिक कार्य होंगे और ८० दिन छुट्टी : ४ मई से ७ जून तक गर्मी वेकेशन

अहमदाबाद । गुजरात राज्य माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा गुरुवार को २०१९-२०२० का शैक्षणिक कैलेन्डर घोषित किया गया है। जिसमें वर्ष के दौरान कुल २४६ दिन शैक्षणिक कार्य होंगे। जबकि ८० दिन छुट्टी होगी। मार्च २०२० की कक्षा १० और १२ की बोर्ड की परीक्षा ५ मार्च से २१ मार्च तक चलेगी। बोर्ड द्वारा गुरुवार को शैक्षणिक कैलेन्डर घोषित होने पर स्कूल संचालकों और शिक्षा बोर्ड इस अनुसार शैक्षणिक आयोजन करने के लिए अब कवायद शुरू करेगी। गुजरात राज्य माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा गुरुवार को २०१९-२०२० का शैक्षणिक कैलेन्डर घोषित किए जाने पर वर्ष के दौरान शिक्षा, परीक्षा और अन्य आयोजन की एक स्पष्ट गाइंडलाइन स्कूल संचालकों और शिक्षा बोर्ड को मिल गई है। नए शैक्षणिक कैलेन्डर के अनुसार, बोर्ड की प्रेक्टिकल परीक्षा १४ फरवरी से शुरू होगी। पहला सत्र १० जून २०१९ से २४ अक्टूबर, २०१९ तक १०४ दिन का होगा। जबकि ३० सितम्बर से ७ अक्टूबर तक ८ दिन का नवरात्रि वेकेशन होगा और २५ अक्टूबर से ६ नवंबर तक १३ दिन का दीपावली वेकेशन होगा। जबकि १४२ दिन का दूसरा सत्र ७ नवंबर से शुरू होकर ३ मई तक चलेगी। इसके बाद ४ मई से ७ जून तक गर्मी वेकेशन रहेगा और ८ जून २०२० से नए शैक्षणिक सत्र की शुरूआत होगी। शिक्षा बोर्ड द्वारा घोषित किए गए वर्ष २०१९-२०२० का एकेडमिक कैलेन्डर में प्रथम सत्र में १०४ दिन का शैक्षणिक कार्य और दूसरे सत्र में १४२ दिन का शैक्षणिक कार्य होगा। प्रथम सत्र में ८ दिन का नवरात्रि वेकेशन रखा गया था लेकिन यह गुरुवार को कैबिनेट के निर्णय बाद रद्द किया गया है। चालू शैक्षणिक वर्ष में २१ दिन का दीपावली वेकेशन दिया जाएगा। पूरे शैक्षणिक सत्र में ८० छुट्टी और २४६ दिन के अभ्यास के दिन होंगे और कक्षा-१०-१२ बोर्ड की परीक्षा ५ मार्च, २०२० से शुरू होगी।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)**